# प्याज के आंसू रोते किसान

## थोक में 4 रुपए तो खेरची में 20 रुपए किलो प्याज

**खरगोन -बेमौसम बारिश के बाद अब प्याज की उपज के कम भाव किसान के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। महंगे बीज, निंदाई, गुडाई मजदूरी के बाद तैयार उपज के मिल रहे कम दामों के चलते आंसू बहाने के लिए मजबूर हैं। जिले के किसानों के लिए प्याज की खेती की लागत निकलना मुश्किल हो रहा है। पहले बेमौसम हुई बारिश से अच्छी उपज नहीं हो सकी, इसके अलावा, जो बच गए वो जमीन के अंदर सड़ने लगे। जैसे-तैसे किसानों ने प्याज खुदवाई तो व्यापारी प्याज की उपज को मनमाने दाम पर खरीदने की बात कर रहे हैं।**

जबकि, किसानों का कहना है कि जो दाम मिल रहे हैं, इससे ज्यादा तो खेत से प्याज निकालने की मजदूरी लग जाती है। इस समय थोक में प्याज के भाव 2 से 4 रुपए किलो है, जबकि खेरची में प्याज 15 से 20 रुपए किलो तक बेचा जा रहा है।

उद्यानिकी विभाग से मिली जानकारी अनुसार वर्ष 2022-23 में रबी सीजन में 1770 हेक्टेयर रकबे में प्याज लगाई गई। जिसका 44250 मीट्रिक टन उत्पादन हुआ है। कृषक पर्वत यादव ने बताया कि मार्च-अप्रैल की बेमौसम बारिश ने इस बार किसानों को खूब परेशान किया है।

प्याज का उत्पादन कम होने के साथ ही दाम भी कम मिल रहे हैं। इससे किसानों की लागत भी नहीं निकल रही है। पानी लगने से फसलों की रंगत और क्वॉलिटी दोनों पर असर पड़ा है। इस वजह से कहीं प्याज को फेंकने और कहीं मुफ्त में बांटने की स्थिति बन रही है। किसान प्याज की खेती करने वाले घुघरियाखेड़ी के कृषक यशवंत यादव, प्रिंस गुप्ता आदि ने बताया कि एक एकड़ में प्याज की खेती में कम से कम 70 हजार रुपये की लागत आती है, लेकिन बाजार में सस्ते भाव में बिक रही प्याज की लागत तक भी नहीं निकाल पा रहे हैं। चार महीने की मेहनत बर्बाद हो गई सो अलग।

गुप्ता का कहना है कि सरकार को कोई दाम फिक्स कर देना चाहिए, ताकि उससे कम दाम में मंडी में व्यापारी किसानों से माल ना खरीद सके। महम्मदपुर के कृषक देवीसिंग ने बताया बीते सालों की तुलना में किसानों की फसल के भाव तो वही है, लेकिन लागत कई गुना बढ़ गई है। प्याज बीज अब 3 हजार रुपये प्रति किलो है। मजदूरी बढ़कर 300-400 रुपये प्रतिदिन हो गई है। निंदाई, कटाई, छंटाई सब में मजदूरों की जरूरत पडती है। बिजली, खाद, कीटनाशक सबके दाम बढ़ गए हैं। व्यापारी 5 रुपये खरीदी में भी नखरे कर रहे हैं।

# 6 गांव में तूफान से 40 मकान ध्वस्त, पोल और पेड उखडे

## डर से लोगों ने खुले में बिताई रात

खरगोन-जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर के छह गांवों में रविवार को आंधी तूफान व बारिश ने बर्बादी कर दी। एक घंटे के तूफान व दो घंटे की बारिश से लोग बेहाल हो गए। तूफान से लोग घरों के बाहर निकले और जान बचाई। कई मकान व पतरे के बने गोडाउन जमीन पर आ गिरे। 40 से ज्यादा मकान, खलिहान क्षतिग्रस्त हो गए। लोग बेघर हो गए। 45 बिजली के पोल व 30 से ज्यादा पेड उखड गए हैं। कुछ गांवों में रातभर बिजली नहीं आई। रजूर में गांव का रास्ता ही बंद हो गया। एक करोड से ज्यादा की नुकसानी बताई जा रही है।राजस्व की टीम ने मुआयना किया है। जनप्रतिनिधियों ने भी दौरा किया है। उन्होंने तत्काल सीएम से राहत राशि देने की मांग की है। उबदी, नंदगांव बगूद, रजूर, अकावल्या, रामपुरा, रमणगांव में रविवार को शाम 5 बजे से तबाही का दौर शुरू हो गया।

पहले हवा चली। इसके बाद एक घंटे तक तूफान से कच्चे व टीनशेड के मकान क्षतिग्रस्त हो गए। तूफान के पहले लोग घरों के बाहर निकले और दौ?कर जान बचाई। कुछ ही सेकंड के बाद उनके मकान क्षतिग्रस्त हो गए। हवा आंधी में कई मकानों की टीन की चद्दरें उड गई। लोग बेघर हो गए।

बिजली के पोल के साथ ही कई पेड़ भी उखड़ गए। स?क पर पोल और पेड गिरने से गांवों के आने जाने के रास्ते बंद हो गए। हालांकि जनहानि कोई नहीं हुई। डरे-सहमे लोगों ने खुले में रात निकाली। लोगों के खाने पीने का सामान और गृहस्थी का सामान बर्बाद हो गया। लोगों के चूल्हे तक नहीं जल पाए। आसपास के लोगों ने एक दूसरे की मदद की। एक करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होना बताया जा रहा है। गांव आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। रजूर में रास्ता बंद है। लोग 15 किमी दूर घुमकर जा रहे हैं। उधर, एसडीएम ओएन सिंह, नायब तहसीलदार टी विश्के सहित पटवारियों ने मौका पंचनामा बनाया।

### पीएम आवास देते तो मकान क्षतिग्रस्त व दहशत न होती

सोमवार को सुबह 11 बजे क्षेत्र में दौरे पर पहुंचे विधायक रवि जोशी व कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रवि नाईक ने ग्रामीणों व मौके से ही अफसरों से चर्चा की। उन्होंने आरोप लगाया कि 40 से 45 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। गरीब लोगों के प्रधानमंत्री आवास नहीं बने हैं। तेज हवा आंधी तूफान से गरीब लोग बेघर हो गए।। जनहानि नहीं हुई है, लेकिन यदि गरीबों के प्रधानमंत्री आवास होते तो यह स्थिति नहीं होती। अफसर जल्द सर्वे कर मुआवजा दे।

### सांसद बोले- ज्यादा मुआवजा के लिए सीएम से करेंगे चर्चा

सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने भी प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा की। साथ ही अफसरों को जल्दी से सर्वे करने को कहा। सांसद ने बताया कि सीएम से चर्चा कर पीडितों को ज्यादा से ज्यादा मुआवजा देने का प्रयास करेंगे।